ग्रीन बांड के बाद अब ब्लू बांड जारी करने की तैयारी

▶ नगर निगम 16 सौ करोड़ की योजना के लिए एकत्र करेगा बांड से राशि

इंदौर. नगर निगम अब ग्रीन बांड के बाद ब्लू बांड निकालने की तैयारी कर रहा है. ब्लू बांड के जरिए 450 एमएलडी पानी शहर में लाया जाएगा, जो 2047 के आत्मनिर्भर नगर निगम की योजना का हिस्सा है. उक्त 450 एमएलडी नर्मदा पानी की योजना में नगर निगम 16 सौ करोड़ के राशि एकत्र करने हेतु बांड जारी करेगा.

नगर निगम द्वारा 60 मेगावाट का सौर उर्जा संयत्र शुरू कर दिया गया है. इससे नगर निगम को पूरे प्रदेश और देश में ख्याति मिली है. इसका श्रेय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने महापौर पुष्यमित्र भार्गव को दिया है. भविष्य की दृष्टि एसडी शहर हित में उल्लेखनीय कदम बताते हुए अन्य नगर निगम को सौर ऊर्जा के लिए काम करने की सीख दी है. नगर निगम को सौर ऊर्जा संयत्र स्थापित करने के लिए ग्रीन बांड जारी किए थे. उक्त योजना के लिए 271 करोड़ लागत थी और शहर हित और जनहित में ग्रीन बांड को अच्छा प्रतिसाद मिला. निगम ने भी हर माह बांड धारियों को बकायदा 1 हजार का भुगतान किया है. आज निगम को सौर ऊर्जा संयत्र से बिजली बिल में सालाना 30 से 40 करोड़ रुपए के बचत होगी. साथ ही प्रदेश के अन्य शहरों में सौर ऊर्जा को बढ़ावा भी मिलेगा. ग्रीन बांड से मिली सफलता के बाद नगर निगम शहर में ब्लू बांड जारी करने की तैयारी कर रहा है. ब्लू बांड करीब 16 करोड़ रुपए से 450 एमएलडी नर्मदा जल लाने और वितरण व्यवस्था के लिए जारी होंगे. इससे निगम को नई व्यवस्थाएं करने में जनभागीदारी से योजनाएं बनाने में सहायता मिलेगी और आत्मनिर्भरता की ओर निगम द्वारा आगे कदम उठाए जाएंगे.

60 लाख जनता की जरूरत पूरी होगी : महापौर

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि आत्मनिर्भर नगर निगम बनाने के दृष्टिकोण से ब्लू बांड योजना ला रहा है. उक्त योजना से शहर में पानी की किल्लत ना सिर्फ कम होगी, बल्कि आने वाले 20 सालों तक निगम को जनता के लिए पानी की व्यवस्था नहीं करना पड़ेगी. ब्लू बांड योजना में 450 आने के बाद शहर में 60 लाख जनसंख्या तक पानी की जरूरत खत्म होगी. पूरे शहर में वर्तमान और भविष्य को मिलाकर 900 सौ एमएलडी पानी की व्यवस्था हो जाएगी.

घरेलू गैस सिलेंडर का हो रहा व्यावसायिक उपयोग

▶ बढ़ती कीमतों के बीच अवैध चलन

▶ खुले आम हो रहा नियमों का उल्लंघन

नवभारत न्यूज

इंदौर. शहर में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की बढ़ती कीमतों और उपलब्धता की समस्या के कारण होटल, रेस्टोरेंट और सड़क किनारे ठेले लगाने वाले व्यापारी घरेलू गैस सिलेंडर का इस्तेमाल कर रहे हैं. यह पूरी तरह गैरकानूनी है और कानून के तहत दंडनीय अपराध की श्रेणी में आती है.

शहर के कई इलाकों में चौपाटी से लेकर बड़े रेस्टोरेंट तक घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग खुलेआम देखा जा सकता है. आरोप है कि यह सब खाद्य विभाग की निगरानी के बावजूद हो रहा है. विभाग द्वारा कुछ चुनिंदा स्थानों पर कार्रवाई की जाती है, लेकिन अधिकांश जगहों पर स्थिति जस की तस बनी हुई है. इस मामले में खाद्य अधिकारी एम. एल. मारू का जवाब स्पष्ट और ठोस कार्रवाई की बजाय औपचारिक प्रतिक्रिया लगा. एम.एल. मारू का कहना है कि विभाग पिछले 6 महीनों से लगातार कार्रवाई कर रहे है और जहां भी घरेलू गैस का व्यावसायिक उपयोग पाया जाएगा, वहां सख्त कदम उठाए जाएंगे.

आपूर्ति न होना कर रहा मजबूर

व्यापारियों का कहना है कि कमर्शियल गैस सिलेंडर की लगातार बढ़ती कीमतें और समय पर आपूर्ति न मिलना उन्हें मजबूर कर रहा है. पिछले 74 दिनों में यह तीसरी बार है जब कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़े हैं. 1 मई 2026 से लागू नई दरों में औसतन 993 रुपए की बढ़ोतरी हुई है. पिछले दो महीनों में कुल बढ़ोतरी लगभग 1248 रुपए तक पहुंच गई है. कई शहरों में कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 3000 रुपए के पार चली गई है. बढ़ती कीमतें और आपूर्ति की समस्याएं छोटे व्यापारियों के लिए बड़ी चुनौती बन चुकी है.

एक नजर में

सैमसंग इंडिया लेकर आया सैमसंग फाइनेंस+ ऑफर्स

इंदौर. सैमसंग इंडिया अपने स्मार्ट होम अप्लायंसेज को देश भर के ग्राहकों के लिए अधिक सुलभ बनाने के लिए सैमसंग फाइनेंस+ के तहत नई योजनाएं लेकर आया है. अब उपभोक्ता सैमसंग के रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन, एसी और माइक्रोवेव जैसे उपकरण खरीदने के लिए आसान फाइनेंसिंग समाधानों का लाभ उठा सकते हैं. यह सेवा देश भर के 8,000 से अधिक स्टोर्स पर उपलब्ध है. ईएमआई के विकल्प मात्र 33 रुपये प्रति दिन से शुरू होते हैं. सैमसंग इंडिया के डिजिटल अप्लायंसेज विभाग के उपाध्यक्ष (वाइस प्रेसिडेंट) घुफरान आलम ने कहा सैमसंग में, हम सार्थक डिजिटल नवाचार के माध्यम से अपने उत्पादों की सुलभता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं. सैमसंग फाइनेंस+ का उद्देश्य ग्राहकों को बिना किसी वित्तीय बोझ के नवीनतम तकनीक अपनाने में सक्षम बनाना है. हमारे नए ऑफर्स के साथ, हम भारतीय परिवारों के लिए नवाचार को अपनाना और अपने घरों को अपग्रेड करना पहले से कहीं अधिक आसान बना रहे हैं.

सैमसंग ने लॉन्च किए बीस्पोक एआई विंडफ्री एसी

इंदौर. सैमसंग ने भारत में अपनी नई बीस्पोक एआई विंडफ्री इंवर्टर स्प्लिट एसी रेंज लॉन्च की है. इस नई सीरीज़ में 23 मॉडल शामिल हैं, जिनकी शुरुआती कीमत 32,940 रूपये रखी गई है. कंपनी ने इसे बढ़ते तापमान और ऊर्जा दक्षता की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पेश किया है. यह एसी एआई एनर्जी मोड के जरिए 30% तक बिजली बचाने की सुविधा देते हैं. नई रेंज में एआई फास्ट और कंफर्ट कूलिंग तकनीक दी गई है, जो कमरे की स्थिति और उपयोग के पैटर्न का विश्लेषण कर तेजी से कूलिंग शुरू करती है. इससे कमरे का तापमान तेजी से कम हो जाता है और तुरंत राहत मिलती है. तापमान कम होने के बाद, जब कमरे का टेम्प्रेचर मनचाहे स्तर पर आ जाता है, तो सिस्टम विंडफ्री/ड्राई कंफर्ट मोड पर चला जाता है ताकि आरामदायक कूलिंग बनी रहे. यह हवा को बहुत हल्के तरीके से छोटे-छोटे छेदों से फैलाता है, जिससे तेज और ठंडी हवा सीधे नहीं लगती.

फोर्स मोटर्स ने वित्त वर्ष 2025-26 में शानदार राजस्व हासिल किया

इंदौर. फोर्स मोटर्स लिमिटेड ने आज 31 मार्च, 2026 को समाप्त चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 2025-26 के अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की. कंपनी ने अब तक का अपना अभूतपूर्व और सबसे शानदार वार्षिक वित्तीय प्रदर्शन किया है, जिसका मुख्य कारण हर तिमाही में निरंतर बेहतर कार्य-प्रदर्शन, बेहतर ऑपरेटिंग लीवरेज और अपने सभी उत्पाद सेगमेंट में व्यापक विकास रहा है. पिछले वर्ष की तुलना में कुल थोक बिक्री में 20% की वृद्धि दर्ज की गई. ट्रैवेलर प्लेटफॉर्म ने लगातार 70% से अधिक सेगमेंट हिस्सेदारी बनाए रखी. अर्बानिया ने वर्ष के दौरान 100% से अधिक की वृद्धि दर्ज की .प्रदर्शन के बारे में फोर्स मोटर्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक प्रसन फिरोदिया ने कहा, हम अपनी शुरुआत से ही सेगमेंट क्रिएटर रहे हैं, और अब हम अर्बानिया की मजबूत उपस्थिति के साथ प्रीमियम शेयर्ड मोबिलिटी सेगमेंट में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं, जबकि ट्रैवलर और ट्रैक्स जैसे प्लेटफॉर्म बाजारों में निरंतर पैमाना और पहुंच प्रदान कर रहे हैं.

रक्तदान के लिए दीपक नाईक सम्मानित

इंदौर. विगत रविवार को संतोष सभागृह में एक गरिमामयी कार्यक्रम आयोजित किया गया. इसमें कला,साहित्य, खेल,पत्रकारिता एवं समाजसेवा से जुड़े विभिन्न लोगों को उनकी सेवाओं निमित्त सम्मानित किया गया. रक्तदान के क्षेत्र में मध्यप्रदेश में ऑन पेपर सर्वाधिक बार होल ब्लड डोनेशन हेतु रक्तदीप के नाम से प्रसिद्ध दीपक विभाकर नाईक को सम्मानित किया गया. सम्मान के रूप में उन्हें अंगवस्त्र और अभिनंदन पत्र प्रदान किया गया. ये सम्मान उन्हें वरिष्ठ पत्रकार आदित्य उपाध्याय और अन्य अतिथियों ने प्रदान किया.

अमेजन प्राइम डे इस जुलाई भारत में लौटेगा

इंदौर. अमेज़न ने आज घोषणा की कि प्राइम डे जुलाई 2026 में भारत में आयोजित किया जाएगा. प्राइम सदस्य इस दसवें प्राइम डे में शानदार डील्स, बचत, नए लॉन्च, ब्लॉकबस्टर मनोरंजन और बहुत कुछ का आनंद ले सकेंगे। इस साल का इवेंट और भी खास होगा, जिसमें लोकप्रिय ब्रांड्स, ट्रेंडिंग प्रोडक्ट्स और नए लॉन्च पर आकर्षक ऑफर मिलेंगे। प्राइम सदस्य इलेक्ट्रॉनिक्स, किचन, ब्यूटी, फैशन, ताज़ा ग्रोसरी और रोजमर्रा की ज़रूरी चीज़ों समेत कई कैटेगरी में बेहतरीन ऑफर्स का फायदा उठा सकेंगे .2025 में अमेज़न इंडिया ने प्राइम सदस्यों के लिए अपनी अब तक की सबसे तेज डिलीवरी स्पीड की घोषणा की, जिसमें 55 करोड़ से अधिक उत्पाद उसी दिन या अगले दिन डिलीवर किए गए- जो साल-दर-साल आधार पर 40% की वृद्धि है. भारत में, सदस्यों को चुनिंदा शहरों में अमेजन नाउ के माध्यम से मिनटों में डिलीवरी मिलती है.

फोनपे एसबीआई कार्ड पर सेविंग्स करने का मौका

इंदौर. अब चाहे ऐप से राशन मँगाना हो, कैब बुक करनी हो या यूटिलिटी बिलों का पेमेंट करना हो- आज का कंज्यूमर सारे काम ऑनलाइन करता है. आज के दौर में, चेकआउट बटन ही कैश काउंटर बन गया है और डिजिटल ट्रांजेक्शन लोगों की आदत बन गई है. भले ही हमारे खर्च करने के तरीके बदल गए हों, लेकिन हमारे रिवार्ड्स पाने के तरीके अभी भी वैसे ही हैं. यहीं फोनपे एसबीआई कार्ड गेम चेंजर बनता है। डिजिटल-फर्स्ट लाइफस्टाइल के लिए बनाया गया यह कार्ड रिवॉर्ड्स को सुपर सिंपल बनाता है- अब आप जितना ऑनलाइन खर्च करेंगे, उतने रिवॉर्ड्स कमाएंगे. चाहे रोज़ाना के बिल हों, इंस्टेंट रिचार्ज या फिर ऑनलाइन शॉपिंग- यह कार्ड आपको सभी ऑनलाइन ब्रांड्स पर फ्लैट 5% रिवॉर्ड देता है. इसका यूनिवर्सल रिवॉर्ड्स स्ट्रक्चर यह सुनिश्चित करता है कि आपको हर ऑनलाइन ट्रांजेक्शन पर कुछ न कुछ मिले. रोजाना के खर्चों पर पर सीधा 10% रिवार्ड्स मिलता है.

आईसीएएनएन ने डोमेन के लिए आवेदन विंडो खोली

इंदौर. इंटरनेट कॉर्पोरेशन फॉर असाइंड नेम्स एंड नंबर्स (आईसीएएनएन), यानि वह गैर-लाभकारी संगठन, जो इंटरनेट के डोमेन नेम सिस्टम (डीएनएस) का समन्वयन करता है, उसने आज घोषणा की है कि उसके नए जीटीएलडी प्रोग्राम: 2026 राउंड के आवेदन की विंडो खुल गई है. जेनरिक टॉप-लेवल डोमेन या जीटीएलडी, वेब एड्रेस का वह हिस्सा होते हैं, जो आखिरी डॉट के बाद आता है. आईसीएएनएन के प्रेसिडेंट और सीईओ, कर्टिस लिंडक्विस्ट ने कहा जीटीएलडी ऐसे अनोखे डिजिटल टूल हैं, जिनका इस्तेमाल लंबे समय के लक्ष्यों को हासिल करने में मदद के लिए सार्थक और इनोवेटिव तरीकों से किया जा सकता है. चाहे किसी कंपनी के लिए कोई ब्रांड बनाना हो, किसी भौगोलिक क्षेत्र या शहर को सुर्खियों में लाना हो, किसी समुदाय को मज़बूत करना हो या किसी नई रजिस्ट्री के तहत डोमेन नाम प्रदान करने के लिए कोई व्यवसाय शुरू करना हो, एक नया जीटीएलडी कॉमर्स, सुरक्षा और संचार के लिए एक इनोवेटिव टूल साबित हो सकता है.

बाणेश्वर कुंड का विजयवर्गीय ने किया भूमिपूजन

▶ पहले चरण में 7.5 करोड़ की लागत से होगा जीर्णोद्धार

▶ बाणेश्वर लोक के रूप में होगा विकसित, बनेगा भव्य द्वार

नव भारत न्यूज

इंदौर. शुक्रवार को शहर के बाणगंगा क्षेत्र में स्थित प्राचीन बाणेश्वर कुंड के जीर्णोद्धार का भूमिपूजन नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने किया. उक्त बाणेश्वर कुंड को बाणेश्वर लोक के रूप में विकसित किया जाएगा. आईडीए द्वारा उक्त प्राचीन स्थल को 7.5 करोड़ की लागत से पहले चरण में विकास कार्य किए जाएंगे.

शहर की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का केंद्र विधानसभा 1 में स्थित बाणेश्वर कुंड के पुनरुद्धार और 'बाणेश्वर लोक' के निर्माण का कार्य का भूमिपूजन आज नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने किया. सीईओ डॉ. परिक्षित झाडे ने बताया कि आईडीए द्वारा योजना तहत बाणेश्वर लोक को एक अत्याधुनिक और भव्य धार्मिक स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा. इसके प्रथम चरण के कार्य की लागत लगभग 7.5 करोड़ रुपए होगी. बाणेश्वर धाम में एक भव्य प्रवेश द्वार का निर्माण होगा, जो विशाल और कलात्मक होने के साथ ही भारतीय स्थापत्य कला का बेजोड़ नमूना होगा. मंदिर में भगवान शिव की विशाल प्रतिमा स्थापित की जाएगी. श्रद्धालुओं के लिए हरे-भरे बगीचे और सुंदर रास्ते बनाए जाएंगे. भूमिपूजन में महापौर पुष्यमित्र भार्गव, साधु संतों के साथ गणमान्य नागरिक और श्रद्धालु उपस्थित थे.

इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर का भूमिपूजन कल

नव भारत न्यूज

इंदौर. इंदौर-पीथमपुर इकोनोमिक कॉरिडोर योजना का मुख्यमंत्री 3 मई को भूमिपूजन करेंगे. उक्त योजना पर सरकार को 2360 करोड़ रुपए की लागत आएगी. योजना में 13 सौ हेक्टेयर जमीन पर विकसित होगी. इसमें किसानों विकसित भूमि के 60 प्रतिशत प्लॉट आवंटित किए जाएंगे.

इकोनॉमिक कॉरिडोर सड़क योजना के प्रथम चरण का भूमि पूजन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 3 मई को दोपहर 12 बजे सेक्टर ए. ग्राम नैनोद में करेंगे. योजना के पहले चरण की लागत 326.51 करोड़ है. उक्त योजना के लिए मुख्यमंत्री ने किसानों हित में निर्णय लेकर प्लॉट एरिया बढ़ाने की सहमति दी थी. उक्त निर्णय योजना के लिए लाभकारी सिद्ध हो रहा है और योजना में किसान स्वेच्छा से अपनी भूमि देने के लिए आगे आ रहे है. विकसित प्लॉट मिलने से भू स्वामियों को भविष्य में अधिक मूल्य प्राप्त होने की संभावना बढ़ जाती है. साथ ही विकसित भूमि का उपयोग वे आवासीय, वाणिज्यिक अथवा अन्य आर्थिक गतिविधियों के लिए कर सकेंगे.

इकोनॉमिक कॉरिडोर की विशेषता

इंदौर पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर सड़क 75 मीटर चौड़ी, 20 किलोमीटर लंबी सड़क है. सड़क के दोनों ओर 300-300 मीटर में विकसित होने वाली इस परियोजना में 1300 हेक्टेयर से अधिक भूमि शामिल है. उक्त सड़क की लागत 2360 करोड़ है, यह योजना न केवल क्षेत्र में निवेश को आकर्षित करेगी, बल्कि भूमि देने वाले किसानों को प्रत्यक्ष एवं दीर्घकालिक आर्थिक लाभ भी देगी.

पानी की किल्लत, प्राइवेट टैंकरों की मनमानी पर सख्ती

▶ गर्मी बढ़ी तो बढ़ी प्यास, इंदौर में पानी के लिए टैंकरों पर निर्भरता

नवभारत न्यूज़

इंदौर. गर्मी बढ़ते ही एक बार फिर पानी की समस्या सामने आने लगी है. इंदौर शहर में नर्मदा परियोजना के तीसरे चरण के बाद भी कई इलाकों में लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है. हर साल की तरह इस बार भी जल संकट का असर साफ दिखाई देने लगा है.

ऐसे समय में नगर निगम के हाइड्रेंट से कुछ ऐसे टैंकर पानी भरते हुए देखे गए हैं, जिन पर न तो 'नगर निगम लिखा' है और न ही जोन या वार्ड क्रमांक अंकित है. इससे यह पहचान करना मुश्किल हो रहा है कि कौन सा टैंकर सरकारी है और कौन प्राइवेट. बबलू शर्मा ने स्पष्ट किया कि यदि कोई प्राइवेट टैंकर नगर निगम के हाइड्रेंट से अवैध रूप से पानी भरता पाया गया, तो संबंधित अधिकारी और टैंकर संचालक दोनों पर कार्रवाई की जाएगी. टैंकर जप्त किया जाएगा.

पानी की कमी और टैंकरों पर बढ़ती निर्भरता-गर्मी के मौसम में पानी की मांग बढ़ने के कारण शहर के कई क्षेत्रों में टैंकरों से पानी सप्लाई की जा रही है. एक तरफ प्राइवेट टैंकर संचालक अपने हिसाब से पानी बेच रहे हैं, वहीं दूसरी ओर नगर निगम ने जनता को राहत देने के लिए निशुल्क टैंकर सेवा शुरू की है.

शिकायत की सुविधा-अगर कोई टैंकर चालक पानी देने के बदले पैसे मांगता है, तो नागरिक टैंकर पर दिए गए नंबर पर शिकायत कर सकते हैं. इसके अलावा 311 ऐप के माध्यम से भी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है.

निगम ने दी सफाई, बताई नई व्यवस्था

इस मुद्दे पर एमआईसी सदस्य बबलू शर्मा ने बताया कि कुछ टैंकरों को तुरंत सेवा में लगाने के कारण उन पर पहचान चिन्ह नहीं डाली जा सकी. उन्होंने कहा कि अब सभी निगम टैंकरों पर जल्द ही पीला रंग किया जाएगा और उन पर स्पष्ट रूप से नंबर व पोस्टर लगाए जाएंगे. इन पोस्टरों पर शिकायत के लिए संपर्क नंबर भी लिखा होगा और नि:शुल्क जल वितरण का उल्लेख रहेगा, ताकि जनता आसानी से सरकारी टैंकरों की पहचान कर सके.

पानी की कमी के कारण

नगर निगम के अनुसार, नर्मदा से आने वाला पानी तय मात्रा में ही मिल रहा है. वहीं दूसरी ओर, गर्मी के कारण भूजल स्तर तेजी से गिर रहा है. जिन बड़े घरों और टाऊनशिप कवर्ड कॉलोनियों में बोरिंग है, वहां भी पानी का स्तर कम हो गया है, जिससे टैंकरों पर निर्भरता बढ़ गई है. स्थिति को देखते हुए नगर निगम ने कहा है कि जरूरत पड़ने पर प्राइवेट बोरवेल को अधिग्रहित कर वहां से भी आम जनता को पानी उपलब्ध कराया जाएगा. इंदौर में पानी की समस्या हर साल की तरह इस बार भी गंभीर होती जा रही है. हालांकि नगर निगम राहत देने के प्रयास कर रहा है, लेकिन बढ़ती मांग और घटते जलस्तर के चलते स्थिति चुनौतीपूर्ण बनी हुई है.

निर्माणाधीन कबीटखेड़ी सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का महापौर ने लिया जायजा

▶ मार्च 2027 में पूरा होने की संभावना

नव भारत न्यूज

इंदौर. शुक्रवार को महापौर ने कबीटखेड़ी में निर्माणधीन सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का जायजा लिया. इस दौरान महापौर ने मार्च 2027 में निर्माण कार्य पूरा होने की संभावना जताई.

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कबीटखेड़ी स्थित निर्माणाधीन 120 एमएलडी क्षमता के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का निरीक्षण कर कार्य का जायजा लिया. निरीक्षण के दौरान महापौर ने बताया कि बढ़ती जनसंख्या और शहर विस्तार को देखते हुए सीवरेज प्रबंधन को सुदृढ़ करना आवश्यक हो गया है. इंदौर को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप विकसित करने के लिए एक समग्र दृष्टि पर काम किया जा रहा है. इसी दृष्टि से कबीरखेड़ी में 120 एमएलडी क्षमता का नया प्लांट तेजी से तैयार किया जा रहा है. उन्होंने बताया कि एक ओर नर्मदा परियोजना के चौथे चरण का कार्य प्रारंभ हो चुका है, वहीं शहर को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए जलूद में सोलर प्लांट भी शुरू किया गया है. उन्होंने जोर देकर कहा कि इन योजनाओं के साथ-साथ सीवरेज ट्रीटमेंट का कार्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है.

तेजी से साकार हो रही परियोजना

महापौर ने जानकारी दी कि कबीटखेड़ी योजना समय सीमा के अनुसार मार्च 2027 तक पूर्ण कर ली जाएगी। उन्होंने कहा कि जिस विज़न और संकल्प के साथ उक्त परियोजना शुरु की गई थी, वह अब धरातल पर तेजी से साकार हो रही है. यह प्लांट न केवल स्वच्छता को नई मजबूती देगा, बल्कि इंदौर को पर्यावरण संरक्षण और जल प्रबंधन के क्षेत्र में भी एक नई पहचान दिलाएगा. निरीक्षण के दौरान जल कार्य एवं ड्रेनेज प्रभारी अभिषेक बबलू शर्मा, अपर आयुक्त आशीष पाठक सहित निगम के अधिकारी मौजूद थे.

रिटायरमेंट के अगले दिन पुनर्नियुक्ति पर हाईकोर्ट की रोक

इंदौर. इंदौर में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने मप्र पश्चिम क्षेत्र बिजली वितरण कंपनी के एक रिटायर चीफ इंजीनियर की संविदा पर दोबारा नियुक्ति पर फिलहाल रोक लगा दी है.

मामला तब सामने आया जब अधिकारी को रिटायरमेंट के अगले ही दिन कॉन्ट्रैक्ट पर फिर से नियुक्त कर दिया गया. इस पर सवाल उठने के बाद यह मामला कोर्ट पहुंचा. प्रारंभिक सुनवाई के दौरान कोर्ट ने नियुक्ति प्रक्रिया पर गंभीर संदेह जताया. कोर्ट का कहना है कि जिस तरीके से यह नियुक्ति की गई, वह पारदर्शी नहीं लगती और पहली नजर में संदिग्ध दिखाई देती है. इसी आधार पर हाईकोर्ट ने फिलहाल इस नियुक्ति पर अस्थायी रोक लगाते हुए संबंधित पक्षों से जवाब मांगा है. अब अगली सुनवाई में इस पूरे मामले की विस्तार से जांच की जाएगी.

एक नजर में ▶ देवी अहिल्या विश्व विद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर विविध गरिमामय कार्यक्रम आयोजित

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने देश में उत्कृष्ट मुकाम स्थापित किया

इंदौर. देवी अहिल्या विश्व विद्यालय में स्थापना दिवस के अवसर पर विविध गरिमामय कार्यक्रमों का आयोजन उत्साह, गरिमा और सकारात्मक ऊर्जा के साथ किया गया. नालंदा परिसर में आयोजित मुख्य समारोह में विश्वविद्यालय परिवार ने शिक्षा, सेवा और उत्कृष्टता के नए संकल्पों के साथ भविष्य की दिशा तय की.

कार्यक्रम का शुभारंभ नालंदा एवं तक्षशिला परिसरों में लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुआ. कुलगुरु राकेश सिंघई ने कहा कि विश्वविद्यालय ने इंदौर, मध्य प्रदेश ही नहीं बल्कि देशभर में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट स्थान स्थापित किया है. उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नवाचार एवं अनुसंधान को प्राथमिकता देते हुए इसे वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित बनाने के लिए सभी के सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया. साथ ही उन्होंने पूर्व कुलपतियों, कुलसचिवों और कार्यपरिषद सदस्यों के योगदान की सराहना की. कुलसचिव प्रज्वल खरे ने कहा कि सामूहिक सहयोग और समर्पण से विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है.

ज्ञान का पवित्र केंद्र

कार्यपरिषद सदस्य डॉ. ए.के. द्विवेदी ने कहा कि यह विश्वविद्यालय ज्ञान का पवित्र केंद्र है, जहाँ सपनों को साकार कर उज्ज्वल भविष्य गढ़ा जाता है. उन्होंने शिक्षा में अनुशासन, सेवा और नवाचार के महत्व को रेखांकित किया. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रोफेसर, विभागाध्यक्ष, डायरेक्टर, उपकुलसचिव, सहायक कुलसचिव एवं कर्मचारी संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहे.

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां रहीं आकर्षण-सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहीं, जिसमें विद्यार्थियों द्वारा गीत एवं ग़ज़लों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने वातावरण को भावपूर्ण बना दिया। प्रख्यात संगीत प्रशिक्षक राजेंद्र नांगले की प्रस्तुति ने भी सभी को मंत्रमुग्ध किया. अंत में सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया.